INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान पटवार

राजस्थान अधीनस्थ और मंत्रिस्तरीय सेवा चयन बोर्ड (RSMSSB)

भाग – 1

सामान्य हिन्दी एवं अंग्रेजी

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स **"राजस्थान पटवारी नोट्स"** को एक विभिन्न अपने - अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है। ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवा चयन बोर्ड (RSMSSB)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा **"राजस्थान पटवारी भर्ती परीक्षा** में पूर्ण संभव मदद करेंगे ।

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स मे कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सूची पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : https://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें - https://wa.link/0yupe6

Online Order करें - https://shorturl.at/pwFNP

मूल्य : (₹)	संस्करण : नवीनतम

	हिन्दी	
क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ
1.	संधि एवं संधि विच्छेद	1
2.	समास एवं समास – विग्रह	13
3.	उपसर्ग	28
4.	प्रत्यय	32
5.	पर्यायवाची शब्द	40
6.	विलोम शब्द	49
7.	शब्द युग्म भिन्नार्थक शब्द	62
8.	वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द	72
9.	समश्रुत भिन्नार्थक (अनेकार्थी) शब्द	85
10.	शब्द शुद्धि	87
11.	वाक्य-शुद्धि	92
12.	मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ	98
13.	पारिभाषिक : प्रशासनिक शब्दावली	109

	English	
S.No.	Chapter	P. No.
1.	Article	124
2.	Noun	137
3.	Pronoun	148
4.	Adjective	156
5.	The Verb	165
6.	Adverb	171
7.	Preposition	178
8.	Conjunction	200
9.	The Interjections	204

10	Time And Tense	205
11.	Subject and Verb Agreement	220
12.	Spotting Error	224
13.	Active and passive Voice	228
14.	Direct & Indirect Narration	235
15.	Sentence Correction / improvement of sentences	240
16.	Synonyms and Antonyms	245
17.	Phrases & Idioms	264
18.	Reading Comprehension	273

नियम (6). यदि विसर्ग के बाद 'र्' वर्ण आए तो विसर्ग से पहले लघु मात्रा की दीर्घ मात्रा में बदल देते हैं तथा विसर्ग का लोप हो जाता है।

उदाहरण –

निः + रस = नीरस

निः + रोग = नीरोग

निः + रव = नीरव

दुः + राज = दूराज

अध्याय – 2

समास एवं समास – विग्रह

⇒ **समास का शाब्दिक अर्थ** - जोड़ना या मिलाना। अर्थात समास प्रक्रिया में दो या दो से अधिक शब्दों को आपस में मिलाकर एक शब्द बनाया जाता है!

⇒ दो अथवा दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए नए सार्थक शब्द को समास कहते हैं।

⇒ **समस्त पद (सामासिक पद)**-समास के नियमों का पालन करते हुए जो शब्द बनता है उसे समास पद या सामासिक,पद कहते हैं।

⇒ समस्त पद के सभी पदों को अलग अलग किए जाने की प्रक्रिया को समास विग्रह कहलाती हैं।

⇒ समास वह शब्द रचना है जिसमें अर्थ की दृष्टि से परस्पर स्वतंत्र सम्बन्ध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्द मिलकर किसी अन्य स्वतंत्र शब्द की रचना करते हैं।

सामासिक शब्द में आए दो पदों में पहले पद को पूर्वपद तथा दूसरे पद को उत्तरपद कहते हैं।

जैसेः-

गंगाजल	गंगाजल		- गंगा का जल
गंगा	जल	गंगा जल	
(पूर्वपद)	(उत्तरपद)	(समस्त पद)	(समास विग्रह)

कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ को प्रस्तुत कर देना ही

समास का प्रमुख उद्देश्य होता है।

समास 6 प्रकार के होते हैं

समास के प्रकार Types Of Compound

1. तत्पुरुष समास
2. कर्मधारय समास
3. अव्ययीभाव समास
4. द्विगु समास
5. बहुव्रीहि समास
6. द्वंद्व समास

1. कर्म तत्पुरुष (द्वितीय तत्पुरुष) (को)
2. करण तत्पुरुष (तृतीय तत्पुरुष) (से, के द्वारा)
3. संप्रदान तत्पुरुष (चतुर्थी तत्पुरुष) (के लिए)
4. अपादान तत्पुरुष (पंचमी तत्पुरुष) से (अलग होने के अर्थ से)
5. सम्बन्ध तत्पुरुष (षष्ठी तत्पुरुष) (का, की, के)
6. अधिकरण तत्पुरुष (सप्तमी तत्पुरुष) (में,पर)

पद की प्रधानता के आधार पर समास का वर्गीकरण

(क) पूर्वपद प्रधान –अव्ययीभाव

(ख) उत्तर पद प्रधान - तत्पुरुष, कर्मधारय और दिगु

(ग) दोनों पद प्रधान-द्वन्द्व

(घ) दोनों पद अप्रधान - बहुव्रीहि (इसमें कोई तीसरा अर्थ प्रधान होता है)

नोटः

भारतीय भाषा में कुछ ऐसे शब्द हैं जिनके रुप में लिंग, वचन के अनुसार परिवर्तन या विकार उत्पन्न नहीं होता है, उन्हें अव्यय शब्द या अविकारी शब्द कहते हैं।

अर्थात ऐसे शब्द जिनका व्यय ना हो, उन्हे अव्यय शब्द कहते हैं।

जैसे – यथा, तथा, यदा, कदा, आ, प्रति, जब, तब, भर, यावत, हर आदि।

(I) <u>अव्ययीभाव समास Adverbial Compound</u>

जिस समास में पहला पद अर्थात पूर्वपद प्रधान तथा अव्यय होता है, उसे अव्ययीभाव समास कहते है।

<u>पहचान</u>- सामासिक पद (समस्त पद) मे यथा, आ, अनु, प्रति, भर, तथा, यदा, कदा, जब, तब, यावत,

समस्त पद		**विग्रह**
आजन्म	-	जन्म से लेकर
आमरण	-	मरने तक
आसेतु	-	सेतु तक
आजीवन	-	जीवन भर
अनपढ़	-	बिना पढ़ा
आसमुद्र	-	समुद्र तक
अनुरुप	-	रुपके योग्य
अपादमस्तक	-	पाद से मस्तक तक
यथासंभव	-	जैसा सम्भव हो / जितना सम्भव हो सके
यथोचित	-	उचित रुप में / जो उचित हो
यथा विधि	-	विधि के अनुसार
यथामति	-	मति के अनुसार
यथाशक्ति	-	शक्ति के अनुसार
यथानियम	-	नियम के अनुसार
यथाशीघ्र	-	जितना शीघ्र हो
यथासमय	-	समय के अनुसार
यथासामर्थ	-	सामर्थ के अनुसार
यथाक्रम	-	क्रम के अनुसार
प्रतिकूल	-	इच्छा के विरुद्ध
प्रतिमाह	-	प्रत्येक -माह
प्रति दिन	-	प्रत्येक - दिन
भरपेट	-	पेट भर के
हाथों हाथ	-	हाथ ही हाथ में / (एक हाथ से दूसरे हाथ)
परम्परागत	-	परम्परा के अनुसार
थल - थल	-	प्रत्येक स्थान पर
बोटी – बोटी	-	प्रत्येक बोटी
नभ –नभ	-	पूरे नभ में
रंग - रंग	-	प्रत्येक रंग के
मीठा – मीठा	-	बहुत मीठा
चुप्प –चुप्प	-	बिल्कुल चुपचाप
आगे- आगे	-	बिल्कुल आगे
गली – गली	-	प्रत्येक गली
दूर - दूर	-	बिल्कुल दूर
सुबह - सुबह	-	बिल्कुल सुबह
एकाएक	-	एक के बाद एक
दिनभर	-	पूरे दिन
दो – दो	-	दोनों दो / प्रत्येक दोनों
रोम- रोम	-	पूरे रोम मे
नए – नए	-	बिल्कुल नए
हरे - हरे	-	बिल्कुल हरे
बारी – बारी	-	एक एक करके / प्रत्येक करके
बे – मारे	-	बिना मारे
जगह – जगह	-	प्रत्येक जगह
मील – भर	-	पूरे मील
गरमागरम	-	बहुत गरम
पतली-पतली	-	बहुत पतली
हफ्ता भर	-	पूरे हफ्ते
प्रति एक	-	प्रत्येक
एक - एक	-	हर एक / प्रत्येक
धीरे – धीरे	-	बहुत धीरे
अलग-अलग	-	बिल्कुल अलग
मनचाहे	-	मन के अनुसार
छोटे – छोटे	-	बहुत छोटे
भरे - पूरे	-	पूरा भरा हुआ
जानलेवा	-	जान लेने वाली
दूरबीन	-	दूर देखने वाली
सहपाठी	-	साथ पढ़ने वाला / वाली
खुला – खुला	-	बहुत खुला
कोना-कोना	-	सारा कोना
मात्र	-	केवल एक
भरा-भरा	-	बहुत भरा
शुरु – शुरु	-	बहुत आरंभ/शुरु में
अंग- अंग	-	प्रत्येक अंग
अहेतुक	-	बिना किसी कारण के
प्रतिवर्ष	-	वर्ष – वर्ष /हर वर्ष
छातीभर	-	छाती तक
बार-बार	-	बहुत बार

देखते - देखते	-	देखते ही देखते
एकदम	-	अचानक से
रात-रात	-	पूरी रात भर
सालों-साल	-	बहुत साल
रातों-रात	-	बहुत रात
ड़रा – ड़रा	-	बहुत ड़रा
तरह- तरह	-	बहुत तरह के
भरपूर	-	पूरा भर के
सालभर	-	पूरे साल
घर-घर	-	प्रत्येक घर
नए-नए	-	बिल्कुल नए
घूमता- घूमता	-	बहुत घूमता
बेशक	-	बिना शक के
अलग-अलग	-	बिल्कुल अलग
अकारण	-	बिना कारण के
घड़ी-घड़ी	-	हर घड़ी
पहले-पहले	-	सबसे पहले
भरसक	-	पूरी शक्ति से
बखूबी	-	खूबी के साथ
निः सन्देह	-	सन्देह के बिना
बेअसर	-	असर के बिना
सादर	-	आदर के साथ
बेकाम	-	बिना काम के
अनजान	-	बिना जाने
प्रत्यक्ष	-	आँख के सामने
बेफायदा	-	फायदे के बिना
बाकायदा	-	कायदे के अनुसार
बेखटके	-	बिना खटके के
निड़र	-	ड़र के बिना
यथाशीघ्र	-	जितना शीध्र हो
प्रतिध्वनि	-	ध्वनि की ध्वनि

(2) <u>तत्पुरुष समास Determinative compound</u>

जिस समास मे बाद का अथवा उत्तरपद प्रधान होता है एवं पूर्व पद गौण होता है तथा दोनों पदो वे बीच का कारक-चिन्ह लुप्त हो जाता है, उसे तत्पुरुष समास कहते है। तत्पुरुष समास छः प्रकार के होते हैं, जो निम्नलिखित हैं-

[I] कर्मतत्पुरुष समास (द्वितीय तत्पुरुष):- जिस तत्पुरुष समास में कर्मकारक की विभक्ति 'को' लुप्त हो जाती है, वहाँ कर्मतत्पुरुष समास है। जैसे –

समस्त पद		**विग्रह**
गगनचुम्बी	-	गगन को चूमने वाला
यश प्राप्त	-	यश को प्राप्त
चिड़ीमार	-	चिड़ियों को मारने वाला
ग्रामगत	-	ग्राम को गया हुआ
रथचालक	-	रथ को चलाने वाला
जेबकतरा	-	जेब को काटने वाला
जनप्रिया	-	जन को प्रिय
स्वर्गीय	-	स्वर्ग को गया
वनगमन	-	वन को गमन
सर्वप्रिय	-	सब को प्रिय
गिरहकट	-	गिरह को काटने वाला गिरह/ गांठ
अतिथ्यर्पण	-	अतिथि को अर्पण
गृहागत	-	घर को गया हुआ
मरणासन्न	-	मरण को पहुंचा हुआ
परलोकगमन	-	परलोक को गमन
स्वर्गगत	-	स्वर्ग को गत (गया हुआ)
शरणागत	-	शरण को आगत
भयप्राप्त	-	भय को प्राप्त
स्वर्ग प्राप्त	-	स्वर्ग को प्राप्त
आशातीत	-	आशा को अतीत
मनपसन्द	-	मन को पसन्द
रूपधारी	-	रूप को धारण करने वाला
वर दिखाई	-	वर को दिखाना
मर्म भेदी	-	दिल को भेदने वाला
कार्यकर्ता	-	कार्य को करने वाला
रात जगा	-	रात को जगा हुआ
कठफोड़वा	-	काठ (लकड़ी)को फोड़ने वाला
देशगत	-	देश को गत (गया हुआ)
पाकिटमार	-	पाकिट को मारने (काटने) वाला
विरोधजनक	-	विरोध को जन्म देने वाला
दिल तोड़	-	दिल को तोड़ने वाला
आपत्तिजनक	-	आपति को जन्म देने वाला
हस्तगत	-	हस्त को गया हुआ
प्राप्तोदक	-	उदक (जल) को प्राप्त तक
तिलकुटा	-	तिल को कूटकर बनाया हुआ
जगसुहाता	-	जग को सुहाने वाला
संकटापन्न	-	संकट को प्राप्त आपन्न

धर्मवीर	-	धर्म में वीर
कलाश्रेष्ठ	-	कला में श्रेष्ठ
आनंदमग्न	-	आनंद में मग्न
कर्मनिरत	-	कर्म में निरत
क्षत्रियाधम	-	क्षत्रियों में अधम
दानवीर	-	दान में वीर
नरोत्तम	-	नरों में उत्तम
वनवास	-	वन में वास
ग्रामवास	-	ग्राम में वास
स्नेहमग्न	-	स्नेह में मग्न
युद्धवीर	-	युद्ध में वीर
ध्यानमग्न	-	ध्यान में मग्न
घुड़सवार	-	घोड़े पर सवार
कुलश्रेष्ठ	-	कुल में श्रेष्ठ
शरणागत	-	शरण में आगत (आगत = आया हुआ)
कानाफूसी	-	कान में फुसफुसाहट
जलमग्न	-	जल में मग्न
कार्यकुशल	-	कार्य में कुशल
सिरदर्द	-	सिर में दर्द
दही बड़ा	-	दही में डूबा हुआ बड़ा
देशाटन	-	देश में अटन (भ्रमण)
नीति-निपुण	-	नीति में निपुण
हथकड़ी	-	हाथ में पहनने वाली कड़ी
घर बैठे	-	घर में बैठे
वनमानुष	-	वन में निवास करने वाले मानुष
जीवदया	-	जीवों पर दया
घृतान्न	-	घी में पका हुआ अन्न
कविपुंगल	-	कवियों में श्रेष्ठ

नोट :- तत्पुरुष समास के उपयुक्त प्रकार के अलावा पाँच अन्य प्रकार भी होते हैं, जो नीचे दिए गए हैं।

1) नञ तत्पुरुष समास :-

जिस समास के पूर्व पद में निषेधसूचक अथवा नकारात्मक शब्द अ, अन्, न, ना, गैर आदि लगे हों, उसे नञ तत्पुरुष समास कहते हैं।

जैसे :-

समस्त पद	-	विग्रह
अनादर	-	न आदर
अनहोनी	-	न होनी / नहीं
		जो होनी चाहिए
अन्याय	-	न्याय का ना होना
अनागत	-	न आगत
अधर्म	-	धर्म हीन / नहीं जो धर्म
अनादि	-	आदि रहित
अस्थिर	-	न स्थिर
अज्ञान	-	न ज्ञान
अनिच्छा	-	न इच्छा
अपूर्ण	-	न पूर्ण
अनर्थ	-	अर्थ हीन / नहीं हो जो अर्थ के / बिना अर्थ के
अनश्वर	-	न नश्वर
नीरस	-	न रस
अब्राह्मण	-	न ब्राह्मण
अनुपस्थित	-	न उपस्थित
अज्ञात	-	न ज्ञात
असत्य	-	न सत्य
अनदेखी	-	न देखी
नास्तिक	-	न आस्तिक
अयोग्य	-	न योग्य
असुंदर	-	न सुंदर
अनाथ	-	बिना नाथ के
असंभव	-	न संभव / नहीं हो जो संभव
अनावश्यक	-	न आवश्यक / नहीं हो जो आवश्यक
ना पसंद	-	न पसंद
नावाजिब	-	न वाजिब

[3] कर्मधारय समास (Appositional Compound):-

जिस समास पद का उत्तर पद प्रधान हो तथा पूर्व पद तथा उत्तर पद में उपमान-उपमेय अथवा विशेषण-विशेष्यसंबंध हो, कर्मधारय समास कहलाता है।

आसानी से समझने के लिए कर्मधारय समास को दो प्रकारों में बांटा गया है।

इस प्रकार में पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद संज्ञा या सर्वनाम अर्थात विशेष्य होता है।

पहचान:- कर्मधारय समास के विग्रह में "जो" शब्द आता है।

समस्त पद	-	विग्रह
महाकवि	-	महान है जो कवि (व्याख्या :- यहां महान विशेषण तथा कवि विशेष्य है)
महापुरुष	-	महान है जो पुरुष
महौषध	-	महान है जो औषध
पीतसागर	-	पीत (पीला) है जो सागर
नीलकमल	-	नील (नीला) हैजो कमल
नीलांबर	-	नीला है जो अंबर
नीलोत्पल	-	नील (नीला) है जो उत्पल (कमल)
लालमणि	-	लाल है जो मणि
नीलकंठ	-	नीला है जो कंठ
महादेव	-	महान है जो देव
अधमरा	-	आधा है जो मरा
परमानंद	-	परम है जो आनंद
सुकर्म	-	सुंदर है जो कर्म
सज्जन	-	सच्चा है जो जन
लालटोपी	-	लाल है जो टोपी
महाविद्यालय	-	महान है जो विद्यालय
कृष्णसर्प	-	काला है जो सर्प (सांप)
शुभगमन	-	शुभ है जो आगमन
महावीर	-	महान है जो वीर
काली मिर्च	-	काली है जो मिर्च
महेश	-	महान है जो ईश
महायुद्ध	-	महान है जो युद्ध

नोट :- कुछ कर्मधारय समास के उदाहरणों में पहला पद विशेष्य (संज्ञा या सर्वनाम) तथा उत्तर पद विशेषण होता है। इनके विग्रह में भी "जो" शब्द आता है।

जैसे:-

समस्त पद	-	विग्रह
पुरुषोत्तम	-	पुरुषों में जो है उत्तम
घनश्याम	-	घन (बादल) है जो शाम (काला)

नराधम (नर+अधम) - नारे (व्यक्ति) है जो अधम (नीच)

जब एक पद उपमान (जिससे तुलना की जा रही है) तथा दूसरा पद उपमेय (जिसकी तुलना की जा रही है), वहां भी कर्मधारय समास होता है।

पहचान:- कर्मधारय समास के विग्रह में 'के समान', 'रूपी' अथवा 'जैसा' शब्द आते हैं।

समस्त पद		विग्रह
विद्याधन	-	विद्यारूपी धन (विद्या के समान धन)
राजीवनयन (राजीव+ नयन)	-	राजीव अर्थात् कमल जैसे नयन
कमलाक्षी (कमल + अक्षी)	-	कमल जैसी आंखों वाली
कंबू ग्रीवा (कंबू + ग्रीवा)	-	कबूतर जैसी गर्दन वाली
कर कमल (कर + कमल)	-	कमल के समान कर (हाथ)
मुख चंद्र (मुख+ चंद्र)	-	चंद्र सा मुख (चंद्र के समान मुख)
देहलता (देह+ लता)	-	लता जैसी देह (शरीर)
वचनामृत (वचन + अमृत)	-	अमृत तुल्य वचन (अमृत के समान वचन)
कन्यारत्न (कन्या + रत्न)	-	रत्न जैसी कन्या
मृगनयनी (मृग + नयनी)	-	मृग जैसे नयन
चंद्रमुखी (चन्द्र + मुखी)	-	चंद्र के समान मुख
शूरवीर (शूर + वीर)	-	शूर के समान वीर
कुसुमकपोल (कुसुम + कपोल)	-	कुसुम (फूल) के समान कपोल (गाल)
स्त्रीरत्न (स्त्री + रत्न)	-	स्त्री रूपी रत्न
क्रोधाग्नि (क्रोध + अग्नि)	-	क्रोध रूपी अग्नि
नृसिंह (नृ + सिंह)	-	सिंह रूपी नर
ग्रंथरत्न (ग्रंथ + रत्न)	-	ग्रंथ रूपी रत्न
कमल नयन (कमल + नयन)	-	कमल के समान नयन
चरण कमल (चरण + कमल)	-	कमल के समान चरण
नयनबाण(नयन + बाण)	-	नयन रूपी बाण
प्राण प्रिय (प्राण + प्रिय)	-	प्राणों के समान प्रिय

मध्यलोपी कर्मधारय समास:-

पूर्वपद तथा उत्तर पद में सम्बन्ध बताने वाले पद का लोप हो जाता है।

समस्त पद	विग्रह
पनचक्की	पानी से चलने वाली चक्की

खगेश = खगों (पक्षियों) का ईश (भगवान) है जो अर्थात् गरुण
चन्द्र भाल = भाल (माथा) पर चन्द्रमा है जिसके अर्थात् शिव
जलज = जल में उत्पन्न होता है वह अर्थात् शिव
जलद = जल देता है जो वह अर्थात् बादल
नीलाम्बर = नीला है अम्बर (वस्त्र) जिसका अर्थात् बलराम
मुरलीधर = मुरली को धरे रहे (पकड़े रहे) वह अर्थात् श्रीकृष्ण
वज्रायुध = वज्र है आयुध (हथियार) जिसका वह अर्थात् इन्द्र
वीणापाणि = वीणा है पाणि (हाथ) में जिसके वह अर्थात् माँ सरस्वती
दुरात्मा = दुह (बुरी) है आत्मा जिसकी
बारहसिंगा = बारह है सिंग जिसके ऐसा मृग विशेष
अल्पबुद्धि = अल्प (थोड़ी) बुद्धि जिसकी
घूसखोर = घूस खाता है जो
नकटा = नाक है कटी जिसकी
षडानन = षड़ (छः) है आनन (मुख) जिसके अर्थात् कार्तिकेय
अंशुमाली = अंशु (किरणे) है माला जिसकी अर्थात् सूर्य
सकेशी = सुन्दर है केश (किरणे) जिसके अर्थात् चाँद अथवा कोई स्त्री विशेष
पद्मासना = पद्म (कमल) है आसन जिसका अर्थात् सरस्वती
पतझर = पत्ते झड़ते है जिसमें (एकऋतु)
पंचानन = पंच (पाँच) है आनन (मुख) जिसके
चन्द्रशेखर = शेखर (माथे) पर चाँद है जिसके अर्थात् शिव जी
कसुमाकर = कुसुमों (फूलों) का खजाना है जो (वसन्त)
चारपाई = चार है पाए जिसके (खाट)
जितेन्द्रिय = जीत ली इन्द्रियाँ जिसने (संयमी पुरुष)
मृगलोचिनी = मृग (हिरन) के लोचनों (आँखों) के समान है लोचन जिसके
त्रिनयन = तीन है नयन (आँख) जिसकी अर्थात् शिवजी
मनमोहन = मन को मोहने वाला अर्थात् श्रीकृष्ण
चतुर्मुख = चार मुख है जिसके अर्थात् ब्रह्मा जी
कामचोर = काम की चोरी करे जो प्राणी
नमकहराम = नमक को हराम करे जो
परमात्मा = परम है (सबसे पहले का) जो आत्मा अर्थात् शिव अथवा विष्णु, ब्रह्मा
महात्मा = महान है आत्मा जिसकी (कोई पुरुष विशेष)

समस्त पद	गौण पद+गौण पद	विग्रह(सामान्य अर्थ)	सामान्य पद (इंगित अर्थ)
नीलकंठ	नील + कंठ	नीला कंठ है जिसका	शिवजी, एक पक्षी
गजानन	गज + आनन (मुख)	गज के समान है आनन जिसका	श्री गणेश जी
गिरिधर	गिरि + धर	गिरि की धारण करने वाला	श्री कृष्ण
चतुरानन	चतुर + आनन (मुख)	चार मुख वाला	ब्रह्मा जी
चक्रधर	चक्र + धर	जिसके हाथ मे चक्र हो	श्री कृष्ण
घनश्याम	घन + श्याम	काले बादल जैसा	श्री कृष्ण
त्रिलोचन	त्रि + लोचन	तीन आँखों वाला	शिवजी
दशानन	दश + आनन (मुख)	दस है आनन जिसके	रावण
महावीर	महा + वीर	महान है वीर जो	हनुमान
मयूरवाहन	मयूर + वाहन	मयूर की सवारी है जिसकी	कार्तिकेय
चतुर्भुज	चतुर + भुज	चार है भुजाएं जिसकी	विष्णु

अध्याय 10

शब्द शुद्धि

भाषा में शुद्ध उच्चारण के साथ शुद्ध वर्तनी का भी महत्त्व होता है। अशुद्ध वर्तनी से भाषा का सौन्दर्य तो नष्ट होता ही है, कहीं कहीं तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है। वर्तनी अशुद्धि के कई कारण हो सकते हैं यथा-

1. स्वरागम के कारण :- निम्न शब्दों में किसी वर्ण के साथ अनावश्यक स्वर प्रयुक्त हो जाने से वर्तनी अशुद्ध हो जाती है अतः उसे हटा कर वर्तनी शुद्ध की जा सकती है।

अशुद्ध वर्तनी	=	शुद्धवर्तनी
अत्याधिक	=	अत्यधिक
आधीन	=	अधीन
अभ्यार्थी	=	अभ्यर्थी
अनाधिकार	=	अनधिकार
अहिल्या	=	अहल्या
दुरावस्था	=	दुरवस्था
शमशान	=	श्मशान
गत्यावरोध	=	गत्यवरोध
प्रदर्शिनी	=	प्रदर्शनी
द्वारिका	=	द्वारका
वापिस	=	वापस
घुटुना	=	घुटना
व्यौपारी	=	व्यापारी
भागीरथ	=	भगीरथ

2. स्वरलोप के कारण : उचित स्वर के अभाव के कारण

आखरी	=	आखिरी
आप्लवित	=	आप्लावित
कुटम्ब	=	कुटुम्ब
दुगनी	=	दुगुनी
जलूस	=	जुलूस
बदाम	=	बादाम
मैथली	=	मैथिली
विपन्नवस्था	=	विपन्नावस्था
अगामी	=	आगामी
सतरंगनी	=	सतरंगिनी
गोरव	=	गौरव
युधिष्ठर	=	युधिष्ठिर
महात्म्य	=	माहात्म्य
अन्त्यक्षरी	=	अन्त्याक्षरी
आजीवका	=	आजीविका
फिटकरी	=	फिटकिरी
कुमुदनी	=	कुमुदिनी
विरहणी	=	विरहिणी
स्वस्थ्य	=	स्वास्थ्य
वाहनी	=	वाहिनी
वयवृद्ध	=	वयोवृद्ध
पारितोषक	=	पारितोषिक
मुकट	=	मुकुट
भगीरथी	=	भागीरथी
अजानु	=	आजानु
अष्टवक्र	=	अष्टावक्र
उन्नतशील	=	उन्नतिशील
जमाता	=	जामाता
अतिश्योक्ति	=	अतिशयोक्ति
नृत्यंगना	=	नृत्यांगना
मुकन्द	=	मुकुन्द
लोकिक	=	लौकिक

3. व्यंजनागम के कारण : शब्द में अनावश्यक व्यंजन के प्रयुक्त हो जाने से भी वर्तनी अशुद्ध हो जाती है।

अवन्नति	=	अवनति
प्रज्जवलित	=	प्रज्वलित
बुद्धवार	=	बुधवार
अन्तर्ध्यान	=	अन्तर्धान
सदृश्य	=	सदृश
पूज्यनीय	=	पूजनीय
निश्च्छल	=	निश्छल
श्राप	=	शाप
समुन्द्र	=	समुद्र
निद्रित	=	निन्द्रित
केन्द्रीयकरण	=	केन्द्रीकरण
कुत्तिया	=	कुतिया
शुभेच्छुक	=	शुभेच्छु
गोवर्द्धन	=	गोवर्धन
कृत्य-कृत्य	=	कृत-कृत्य
षष्ठम्	=	षष्ठ

4. व्यंजन लोप के कारण : किसी वर्तनी में व्यंजन के न लिखने पर वर्तनी अशुद्ध हो जाती है।

अध्यन	=	अध्ययन
ईर्ष्या	=	ईर्षा
उमीदवार	=	उम्मीदवार
तदन्तर	=	तदनन्तर
व्यंग	=	व्यंग्य
सामर्थ	=	सामर्थ्य
उछृंखल	=	उच्छृंखल

ठाकुराइन	=	ठकुराइन
प्रियदर्शनी	=	प्रियदर्शिनी
गृहणी	=	गृहिणी
कमलनी	=	कमलिनी
सरोजनी	=	सरोजिनी
बुद्धिमति	=	बुद्धिमती
कामनी	=	कामिनी
कर्ति	=	कर्त्री
कृशांगिनी	=	कृशांगी
तपस्वनी	=	तपस्विनी

17. <u>वचन सम्बन्धी</u> : बहुवचन बनाने के नियमों की उपेक्षा करने पर भी वर्तनी अशुद्ध हो जाती है।

दवाईयाँ	=	दवाइयाँ
इकाईयाँ	=	इकाइयाँ
परीक्षार्थीयों	=	परीक्षार्थियो
हिन्दूओं	=	हिन्दुओं
संन्यासी वर्ग	=	संन्यासिवर्ग
खेतीहर	=	खेतिहर
प्राणीवृन्द	=	प्राणिवृन्द
विद्यार्थीगण	=	विद्यार्थिगण

18. <u>विसर्ग सम्बन्धी</u> : वर्तनी में सही विसर्ग का प्रयोग न करने या विसर्ग संधि की अशुद्धि पर वर्तनी अशुद्ध हो जाती है।

प्रातकाल	=	प्रातः काल
अधोपतन	=	अधः पतन
दुख	=	दुःख
निकंटक	=	निष्कंटक/निःकंटक
प्राय	=	प्रायः
निश्वास	=	निःश्वास
अन्तकरण	=	अन्तः करण
निसन्देह	=	निःसन्देह / निस्सन्देह
अतः एव	=	अतएव

19. <u>हलन्त का प्रयोग न करने पर।</u>

परिषद	=	परिषद्
उच्छवास	=	उच्छ्वास
षडयन्त्र	=	षड्यन्त्र
उदघाटन	=	उद्घाटन
षटरस	=	षट् रस
उदगार	=	उद्गार
गदगद	=	गद्गद्
विद्युत्	=	विद्युत
तड़ित	=	तड़ित्
पृथक	=	पृथक्
भाषाविद	=	भाषाविद्

20. <u>उपसर्ग सम्बन्धी</u> : सही उपसर्ग का प्रयोग न होने या अनावश्यक उपसर्ग लगा देने से भी वर्तनी अशुद्ध हो जाती है।

उदण्ड	=	उद्दण्ड
बेफजूल	=	फजूल
दरअसल में	=	दरअसल
सविनयपूर्वक	=	सविनय

21. <u>मात्रा सम्बन्धी</u> : स्वर की उचित मात्रा के प्रयोग न करने से सर्वाधिक वर्तनी सम्बन्ध अशुद्धियाँ होती हैं।

रात्री	=	रात्रि
मूर्ती	=	मूर्ति
हानी	=	हानि
तिलांजली	=	तिलांजलि
वाल्मीकी	=	वाल्मीकि
ईकाई	=	इकाई
बिमार	=	बीमार
परिक्षा	=	परीक्षा
पत्नि	=	पत्नी
पती	=	पति
निरोग	=	नीरोग
निरिक्षण	=	निरीक्षण
रचियता	=	रचयिता
महिना	=	महीना
दिवार	=	दीवार
पिपिलिका	=	पिपीलिका
इप्सित	=	ईप्सित
गुरू	=	गुरु
शत्रू	=	शत्रु
अश्रू	=	अश्रु
मूमूर्ष	=	मुमूर्ष
सामुहिक	=	सामूहिक
सुक्ष्म	=	सूक्ष्म
जाउँगा	=	जाऊँगा
मुहर्त	=	मुहूर्त
कुतुहल	=	कुतूहल
एरावत	=	ऐरावत
एच्छिक	=	ऐच्छिक
वित्तेषणा	=	वित्तैषणा
त्यौहार	=	त्योहार

5. (b) good part से पहले the लगाये यहाँ a good part of the day , phrase की तरह प्रयोग हुआ है ।
6. (c) better से पहले 'the' का प्रयोग करें । comparative degree के adjective से जब किसी choice का निधारर्ण होता है तो उससे पहले 'the' का प्रयोग किया जाता है जैसे :- He is stronger of the two wrestlers.
7. (a) Alimighty से पहले the आयेगा ।
8. (d) a prison की जगह केवल prison का प्रयोग करें ।

   'the' article का प्रयोग नही किया जाता church, prison ,hospital , college , school and bed से पहले जब इन place पर उसी काम के लिए जाते है जिस काम के लिए इनको वनाया गया है ।
9. (d) 'The watch' की जगह a watch का प्रयोग करें क्यूकि watch का first latter consonant है ।
10. (a) conclusion से पहले 'the' नहीं लगेगा कुछ phrases जैसे : in details , in fear , in hope , in problem इनके बीच में 'the' का प्रयोग नहीं होगा ।
11. (d) 'a hour' की जगह 'an hour' का प्रयोग करें
12. (e) No error.
13. (a) 'Times of india' की जगह The times of india का प्रयोग करें ।
14. (c) 'a elephant' की जगह 'an elephant' का प्रयोग करें ।
15. (e) No error.
16. (c) 'an useful' की जगह 'a useful' का प्रयोग करें ।
17. (d) The agra की जगह केबल agra का प्रयोग करें ।
18. (d) by a car नहीं होगा by car होगा by bus, by car ,by train के बीच में article नहीं लगता है ।
19. (a) trouble से पहले 'a' नहीं लगेगा ।

   in danger, in trouble, in debt, in comparison, in fact जैसे phrases के बीच में article का प्रयोग नही होता है ।
20. (c) little से पहले a लगेगा a little का अर्थ होता है 'थोडा -सा' ।

Chapter - 2

Noun

'किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, कार्य या अवस्था के नाम को Noun (संज्ञा) कहा जाता है।

A noun is a word for a person ,place or thing or idea.

'हर वो वस्तु जिसका नाम हो जिसे हम देख सकते हो , महसूस कर सकते हो ,छु सकते हो noun कहलाता है **जैसे** :-

किसी person(व्यक्ति) का नाम :- boy ,rita etc.

Animals name:- cat ,cackroach etc.

Places name :- street ,banglore etc.

Objects name :- table , wire etc.

Substances name:- gold ,glass etc.

Qualities name:- Happines, sorrow etc.

Measures name :- inch ,pound etc.

Noun को सात प्रकार से बाँटा जा सकता है –

1. Proper Noun (व्यक्तिवाचक)
2. Common Noun (जातिवाचक)
3. Collective Noun (समूहवाचक)
4. Material Noun (द्रव्यवाचक)
5. Abstract Noun (भाववाचक)
6. Countable noun(संख्यावाचक)
7. Non-countable noun (असन्ख्यावक)

- Proper Noun, common noun ,collective noun and material noun इन्हें Concrete noun भी कहते हैं ये abstract noun के opposite (विपरीत) होते है ।
- concrete nouns ऐसी वस्तुओं के नाम होते हैं जिनका physical existence होता है ।

RULES TO FIND A NOUN

(Noun की पहचान) :-

- By putting who,whom,what with work done(किसने काम किया) we find out noun.

  जैसे : sumit is playing football. (सुमित फुटबॉल खेल रहा है) अब आप खुद से सवाल करके noun पहचान सकते है इस वाक्य में **जैसे:-** who is playing? (कोन खेल रहा है) = सुमित (sumit)

  what is playing?(क्या खेल रहा है ?)=football

  यहाँ sumit and football दोनों noun है ।
- जिन वाक्यों के अंत: में नीचे दिये गये word जुड़े होंगें वो noun होगें **जैसे** :-

Ment = mangement , agreement

tion = station , vacation , foundation

th = growth

er = teacher

or = doctor

ty = honesty

ry = bravery

ce = advice

ledge = knowledge

dom = fredom ,wisdom

ics = physics

ship = friendship

sion = pension

(1) Proper noun

Proper noun से हमारा तात्पर्य किसी विशेष(specific) व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान के नाम से होता है।

जैसे: Mohan, Jaipur, Radha etc.

(a) **Mohan** is my friend.

(b) I live in **Delhi**.

(c) we are planning to go to **Pizza Hut**.

(d) There are many important documents at **The Library of congress**.

उपर दिए गये Ex(a) में mohan एक boy का proper name दिया हुआ है Ex(b) में delhi एक proper city का name है Ex(c) pizza hut एक proper restaurant का name दिया है और Ex(d) में **The Library of congress** एक library का proper name है इसलिए mohan ,delhi ,pizza hut, **The Library of congress** यहाँ proper noun है।

(2) Common noun

जिस Noun (संज्ञा) से एक वर्ग अथवा जाति के व्यक्ति या वस्तु के नाम का बोध हो, उसे Common Noun(जातिवाचक संज्ञा) कहते हैं। **जैसे-** boy, girl, Village ,city etc.

(a) According to the **Girl**, the nearest town is very far.

(b) The **Girls** are going to the nearest village.

जैसा कि हम ऊपर दिए गये examples में देख सकते है यहाँ हम किसी विशेष girl की बात नहीं कर रहे हैं अगर कोई विशेष girl की बात की गयी होती तो यहाँ उस girl का girl की जगह proper name दिया होता जैसे – sita, priya आदि, यहाँ girls जाति की बात हो रही है जो कोई भी girls हो सकती है इसलिए यहाँ 'girl' common noun है।

नीच दी गयी table से आप common noun और proper noun को और अच्छे से समझ सकते है -

Common Noun	Proper Noun
boy	Ram
girl	rita
bridge	mahatma gandhi bridge
city	kanpur
book	war and peace
tower	eifel tower
jeans	levis

(3) Collective noun

collective noun एक ही प्रकार के लोगो ,जानवरों , बस्तुओ आदि के समूह (group) के नाम होते है।

A collective noun is a word used for a group of people ,animals and things etc.

examples :- Team, Committee, Army etc **Other.**

Example of Collective Noun :-

A **Pride** of Lions

A **Flock** of birds

A **herd** of cattle

A **class** of student

सामान्यत: Collective Noun का प्रयोग Singular में होता है। इनका प्रयोग Plural में तभी किया जाता है जब मतभेद दर्शाया जाए या फिर प्रत्येक सदस्य के बारे में कुछ कहा जाए।

(a) The **jury** is deciding the matter.

(b) The **flock** of geese spends most of its time in the pasture

(c) The **team** are divided over the issue of captainship.

यहाँ टीम एक लोगो के group का नाम है जो divide (अलग) हो गया है या group के प्रत्येक सदस्य की राय (opinion)अलग –अलग है इसलिए इस वाक्य में team' plural होगा।

(d) The **audience** have taken their seats.

यहाँ audience में प्रत्येक सदस्य(individual) की बात हो रही है इसलिए यहाँ 'audience'plural है।

(4) Material noun

Material noun ऐसी वस्तुओं के नाम को कहते है जो metal और substance (प्रदार्थ) हो और उनसे दूसरी वस्तुयें बनाई जा सकती हो।

जैसे: Gold, Silver, Zink, wood etc.

(a) The necklace is made of **gold.**

(b) He got his furniture made of teak **wood**.

Material Nouns, Countable नहीं होते हैं अर्थात् इनकी गिनती नहीं की जा सकती है। इन्हें मापा या तौला जा सकता है। इनके साथ सामान्यतः Singular verb का प्रयोग किया जाता है एवं इनके पहले Article का प्रयोग नहीं किया जाता है।

(5) Abstract noun

Abstract Noun, ऐसे गुण, भाव, क्रिया एवं अवस्था को व्यक्त करता है जिन्हें छूआ नहीं जा सकता है, देखा नहीं जा सकता है, बल्कि केवल महसूस किया जा सकता है।

जैसे: poverty, bravery, hatred, laughter, poverty, youth, Honesty.

Abstract Noun का प्रयोग सामान्यतः Singular में किया जाता है।

जैसे: (a) People respect their sincerity.

(b) Honesty is the best policy.

Noun को(A) Countable एवं (B) Uncountable में भी बाँटा जा सकता है।

(6) Countable nouns

Countable Noun वह Noun होता है, जिसकी गणना की जा सके। Countable noun singular और plural दोनों हो सकता है ।

जैसे: (a) We bought six tables.

(b) I have a few friends.

(c) She saw many movies last month.

(7) Non-countable nouns

Uncountable Noun वह Noun होता है, जिसकी गणना न की जा सके।

जैसे: (a) J. Priestly discovered oxygen.

(b) They decided to sell the furniture.

(c) Much money was wasted on the show.

Countable Noun: Stars, Seconds, Rupees etc.

Uncountable Noun:Money, time, knowledge etc.

IMPORTANT RULE:-

RULE I

कुछ Nouns का प्रयोग हमेशा Plural form में ही होता है। इन Nouns के अन्त में लगे s को हटाकर, इन्हें Singular नहीं बनाया जा सकता है। ये दिखने में भी Plural लगते हैं, एवं इनका प्रयोग भी Plural की तरह होता है। ऐसे Nouns निम्न हैं:

Annals,Ashes,Scissors, tongs, pliers, pincers, bellows, trousers, pants, pajamas, shorts, gallows, fangs, spectacles, goggles, binoculars, eyeglasses, Alms, amends, archives, Earnings, arrears, auspices, congratulations, embers, fireworks, lodgings, outskirts, particulars, proceeds, regards, riches, remains, savings, shambles, surroundings, tidings, troops, tactics, thanks, valuables, wages, belongings etc.

(a) His earning are small.

(b) Riches have wings.

(c) The proceeds were deposited in the bank.

(d) All his valuables were stolen away.

(e) Alms are given to the beggars.

(1) The proceeds were deposited in the courts.

RULE 2

कुछ Nouns दिखने में Plural लगते हैं लेकिन अर्थ में Singular होते हैं। इनका प्रयोग हमेशा Singular की तरहा होता है जैसे :-

branches of learning : physics, mathematics, economics, Politics etc.

Titles of Books : Three musketeers, Five Point someone etc.

Diseases:- mumps, Measles, Rickets etc.

Descritive names of countries:- The United States, United Arab Emirates etc. उपर दिये गये examples में सभी noun के साथ s/es लगा है लेकिन इसका मतलब ये नहीं है की ये plural form में है ये सभी singular हैं क्योंकि ये सभी single body को दिखाते है।

some other example :

News, Innings, Summons, Economics, Ethics, Mumps, Measles, Rickets,Shingles, Billiards, Athletics etc.

Some confusing Singular and Plural form of nouns:-

कुछ nouns ऐसे होते है जिनके अंत में s या es जोड़ देने से उनका मतलब (meaning) पूरी तरह से change हो जाता है जैसे :-

Singular Noun	s/es Form
Water(पानी)	Waters(sea)
Wood (लकड़ी)	woods (जंगल)
cloth (कपडे)	clothes (ड्रेस)

Singular	Plural
Buffalo	Buffaloes
Mango	Mangoes
Manifesto	Manifestoes
Motto (कहावत)	Mottoes

EXCEPTIONS (अपवाद) :-

Singular	Plural
Canto	cantos
dynamo	dynamos
Memento	Mememtos
piano	pions
solo	solos
photo	photos
quarto	quartos
kilo	kilos
cargo	cargoes

Rule(9) यदि किसी noun के अंत में दो vowel लगे हुये हो तो उसका plural बनाने के लिए उसके अंत में s लगा दिया जाता है। जैसे :-

Singular	Plural
Bamboo	Bamboos
Cuckoo	Cuckoos
Video	Videos
Ratio	Ratios
Radio	Radios
Studio	Studios

Rule(10) यदि किसी Singular Common Noun का last letter"f" or"fe"हो ,तो "f"or" fe" को हटाकर"ves"जोड़कर Plural बनाया जाता हैं।

Singular	Plural
Life	Lives
Knife	Knives
Thief	Thieves
Leaf	Leaves

Rule(11) कुछ ऐसे Singular Nouns हैं जिनके last में"f" ,"ff",or "fe" रहता हैं लेकिन सिर्फ s' जोड़कर Plural बनाया जाता हैं।

Singular	Plural
Chief	Chiefs
Belief	Beliefs
Hoof	Hoofs
Proof	Proofs
Gulf	Gulfs
scarf	scarfs
turf	turfs
safe	safes
strife	strifes
cliff	cliffs

Rule (12) Generally singular compound nouns के main word में "s"जोड़कर Plural बनाया जाता हैं।

Singular	Plural
Commander-in-chief	Commanders-in -chief
Member of Parliament	Members of Parliament
Member of Parliament	Members of Parliament
Father-in-law (ससुर)	Fathers-in -law
Mother-in-law	Mothers-in-law
Step-brother (सौतेला भाई)	Step-brothers
Step- daughter	Step- daughters
Maid-servant (नौकरानी)	Maid-servants
Man-hater	Man-haters
Man-lover	Man-lovers

EXCEPTION(अपवाद) :- कुछ compound nouns में दोनों शब्दों का plural बनाना होता है जैसे :-

Man-servant	Men-servants
Man-nurse	Man-nurses
Woman conductor	Women conductor
Woman engineer	Women engineers
Woman lover	Women lovers
Bed - room	Bed -rooms
Pea-hen	Pea-hens
Mother-in-law	Mothers-in-law

- कुछ noun दो तरह के plural बनाते है जिनका अर्थ भी अलग होता है। **जैसे** :-

Brother Brothers –Sons of the same parents

Brethren- Members of society or community

Cloth Cloths- Unstitched cloths

Clothes- stitched clothes(Garments)

Die

Dies- stamps used for printing and coining.(मोहर)

as an interjection, for example when put at the beginning of a sentence.

हृदय की आकस्मिक भावनाओं को निम्न Interjections से व्यक्त किया जा सकता है :

(1) Joy (खुशी)—Hurrah, Ha ! Ha !

(2) Sorrow (दुःख)-Alas !, Ah !, Ha !

(3) Surprise (आश्चर्य) Oh!, What!

(4) Contempt (घृणा)-Fie!, Bosh!, Shame! Shame!

(5) Greetings (बधाई)—Bravo!, Well done!

(6) Calling (सम्बोधन) Hello !, Hey !

(7) Attention (ध्यान)—Listen !, Lo !, Hush !, Shh !, Behold!

उक्त Interjections का प्रयोग भावनाओं के अनुसार किया जाता है।

Interjections are uninflected function words that express the attitude or emotion of the speaker. They are used when the speaker encounters events that cause these emotions - unexpectedly, painfully, surprisingly or in many other sudden ways.

Chapter – 10

Time And Tense

Time (समय) और Tense (काल) दोनों ऐसे शब्द हैं जिनमें संबंध होते हुए भी अंतर है।

Time का प्रयोग सामान्य अर्थ में होता है, जबकि Tense का प्रयोग विशेष अर्थ में Verb के form का निरूपण करने के लिए किया जाता है। चलिए नीचे दिए गए उदाहरणों पर हम लोग विचार करते हैं -

1. Veena goes to the market every Sunday.
2. The plane takes off at 5 p.m. tomorrow.
3. He had no money yesterday.

उदाहरण (1) में Simple Present Tense का प्रयोग किया गया है। लेकिन इससे Past, Present, और Future तीनों का बोध होता है, वीणा Past time में प्रत्येक रविवार को जाती है और आशा है कि Future time में भी प्रत्येक रविवार को जाएगी।

उदाहरण (2) में स्पष्ट होता है कि प्लेन (plane) कल 5 बजे शाम को प्रस्थान करेगा। इस वाक्य में भी Simple Present Tense का प्रयोग किया गया है, लेकिन इससे future time का बोध होता है।

उदाहरण (3) में Simple Past Tense का प्रयोग किया गया है, तथा इससे past time का बोध होता है।

ऊपर दिए गए उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि Verb के Present Tense में रहने पर भी इस पर Present, Past और Future Time का बोध होता है।

अतः Verb के Tense तथा इसके प्रयोग को सावधानी से समझने की जरूरत है सर्वप्रथम एक प्रश्न उठता है कि Tense क्या है? इस प्रश्न का उत्तर किस प्रकार है :

Tense : कार्य के समय के मुताबिक Verb के रूप में जो परिवर्तन होता है, उसे Tense कहते हैं।

Kinds of Tense

1. Present Tense (वर्तमान काल)
2. Past Tense (भूतकाल)
3. Future Tense (भविष्य काल)

1. Present Tense : किसी कार्य के वर्तमान समय में होने या करने, हो रहा है, हो चुका है, या हो गया है तथा एक लंबे समय से होता रहा है, का बोध हो तो उसे Present Tense कहते हैं।

दूसरे शब्दों में - An action which is done at the present time. जैसे -

1. I read a book

मैं पुस्तक पढ़ता हूँ ।

2. I am reading a book

मैं पुस्तक पढ़ रहा हूँ ।

3. I have read a book

मैं पुस्तक पढ़ चुका हूँ।

4. I have been reading a book for an hour

मैं दो घंटे से पुस्तक पढ़ता रहा हूँ।

2. Past Tense : किसी कार्य के बीते हुए समय में होने या करने, हो रहा था, हो चुका था, या हो गया था तथा एक लंबे समय से होता रहा था का बोध हो, तो उसे Past Tense कहते हैं।

दूसरे शब्दों में- An action which is done at the Past time. जैसे -

1. I wrote a letter.

मैं पत्र लिखता था या मैंने पत्र लिखा।

2. I was writing a letter.

मैं पत्र लिख रहा था।

3. I had written a letter.

मैं पत्र लिख चुका था या मैंने पत्र लिखा था

4. I had been writing a letter for two days.

मैं दो दिनों से पत्र लिख रहा था

3. Future Tense : किसी कार्य के आने वाले समय में होने या करने, हो रहा होगा क्या होता रहे गा, हो चुका होगा या हो गया होगा तथा एक निश्चित समय से होता आ रहा होगा का बोध हो, उसे Future Tense कहते हैं। जैसे -

1. I shall write a letter.

मैं पत्र लिखूंगा।

2. I shall be writing later.

मैं पत्र लिख रहा हूंगा।

3. I shall have written a letter.

मैं पत्र लिख चुका हूंगा।

4. I shall have been writing a letter.

मैं पत्र लिखता आ रहा होऊंगा।

उपयुक्त उदहारण से यह स्पष्ट होता है कि Present, Past तथा Future Tense के भी चार -चार उपभेद होते हैं।

1. Present Tense

Present Tense के चार उपभेद होते हैं।

1. Present Indefinite Tense /Simple Present Tense (सामान्य वर्तमान काल)
2. Present Continuous / Progressive Tense (अपूर्ण वर्तमान काल / तात्कालिक वर्तमान काल)
3. Present Perfect Tense(पूर्ण वर्तमान काल)
4. Present perfect continuous tense (पूर्णापूर्ण वर्तमान काल / पूर्ण तात्कालिक वर्तमान काल)

I. Simple Present Tense

Structure :

Positive:-

Subject +main verb +s/es+Object

Ex-Ram reads books.

Negative:-

Subject+do/does+not+main verb+Object

Ex- Ram does not read books.

Interrogative:-

Ist type:-

Do/does+subj+not+main verb+Object+?

2nd type :-WH words + Ist type

Ex- Does ram read books?

यदि subject एकवचन(He ,She ,It ,name) होगा तो main verb में s या es लगायेंगे और अगर subject बहुवचन(you ,we,they) होगा तो main verb में s या es नहीं लगायेंगे ।

जैसे :-

ram **reads** books.

they **read** books.

Rule (1): Simple Present Tense का प्रयोग habitual, or regular or repeated action (नियमित या स्वाभाविक कार्य) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे -

Mukesh goes to bed at 10 P.M.

He always comes here on Sunday.

She reads a newspaper every morning.

He takes tea without sugar.

We work eight hours a day.

I live at Mahendru.

Shweta and Anshu are girls.

I get up at 6 a.m. every morning.

Note : सामान्यतः Time expressing Adverbs (समय सूचक क्रिया विशेषण) जैसे -

always, often, sometimes, generally, usually, occasionally, rarely, seldom, never, hardly, scarcely, habitually, daily, everyday, every night, every morning, every evening, every week, every month, every year, once a week, once a day, once a month, twise a day, twice a week, twice a month आदि का प्रयोग habitual, or regular or repeated action को express करने के लिए किया जाता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि उपरोक्त Adverbs का प्रयोग होने पर Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे-

He always comes here at night.

He generally comes here at night.

He usually comes here at night.

He sometimes comes here at night.

He often comes here at night.

He rarely comes here at night.

He seldom comes here at night.

He never comes here at night.

Rule (2) : इस Tense का प्रयोग Universal truth (नैसर्गिक सत्य) principal (सिद्धांत) permanent activities (स्थायी कार्य व्यापार) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है जैसे -

The sun rises in the east.

Two and two makes four.

Man is mortal.

Water boils at 100°C.

The Ganges springs from the Himalayas.

Rule (3) : इस Tense का प्रयोग possession (अधिकार) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है जैसे -

This pen belongs to me.

I have a car.

He owns a big building.

Rule (4) : इस Tense का प्रयोग mental activity (मानसिक क्रिया कलाप), emotions तथा feelings को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे

Note : notice, recognise, see, hear, smell, appear, want, wish, desire, feel, like, love,hate, hope, refuse, prefer, think, suppose, believe, agree, consider, trust, remember, forget, know, understand, imagine, means, mind etc. का प्रयोग mental activity express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। अत : इन सारे Verbs का प्रयोग Simple Present Tense में होता है ।

Rule (5) : Simple Present Tense का प्रयोग आने वाले समय में होने वाले सुनियोजित कार्यक्रम (fixed programme) तथा सुनियोजित योजना (fixed plan) को (express) (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। इससे future time का बोध होता है। जैसे -

The college reopens in October.

कॉलेज पुन :अक्टूबर को खुलेगा।

He goes to Chennai next month.

वह अगले महीने चेन्नई जाएगा।

She leaves for New York next Monday.

अगले सोमवार को न्यूयॉर्क के लिए प्रस्थान करेगी।

The prime minister comes here tomorrow.

प्रधानमंत्री कल यहां आएंगे।

My brother returns tomorrow.

मेरा भाई कल लौटेगा।

Note : इस तरह के वाक्यों में future time expressing Adverbs.

जैसे- Tomorrow, next day, next night, next month, next year, next week, In January, In February, In march .... on Monday, on Tuesday. ....etc. का प्रयोग निश्चित रूप से रहता है।

Rule (6) : Conditional sentence (शर्त सूचक वाक्य) मे सामान्यतः दो Clauses का प्रयोग होता है।

इनमें एक Principal Clause तथा दूसरा subordinate Clause होता है।

Subordinate Clause – यदि वाक्य if, when, before, after, till, until, unless, as soon as, as long as, in case से स्टार्ट होते हैं, तो इनके साथ Simple Present Tense का प्रयोग होता है। तथा Principal Clause के साथ Simple Future Tense का प्रयोग होता है जैसे – **Subordinate clause -**

Simple present tense,

Ex-**If you run fast**,You will win the race.

यदि तुम तेज दौड़ोगे,तो तुम रेस में जीत जाओगे।

Principal clause:-

Simple future tense

When he comes here, **he will help me.**

जब वह यहाँ, आएगा वह मेरी मदद करेगा।

Unless she works hard, she will not succeed.

यदि वह कठिन परिश्रम नहीं करेगी, वह सफल नहीं हो पाएगी।

I shall teach her , **if she comes.**

Principal clause — **Subordinate clause**

मैं उसे (स्त्री) पढ़ाऊंगा , यदि वह आएगी

Rule (7) : Here or There से स्टार्ट होने वाले exclamatory sentence मे Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे -

Here comes they !

There goes the bus!

Rule (8) : आंखों देखा हाल का प्रसारण (मैच, आयोजन, कार्यक्रम, नाटक, फिल्म, सीरियल आदि) रेडियो या टेलीविजन के द्वारा करने के लिए Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे –

Ganguly runs after the ball, catches it and throws it on the stumps.

Chapter – 16

Synonyms and Antonyms

Most Repeated Synonyms

S.No.	Word	Meaning	Synonyms
1.	Genuine	Truly what something is said to be (वास्तविक)	Real, True, Actual, Honest , Sincere, Veritable, Authentic, Original
2.	Laconic	Brief (संक्षिप्त)	Crisp, Brusque, Pithy, Terse, Compendious, Concise, Succinct
3.	Diligent	Having a showing care and conscientiousness in one's work or duties (मेहनती)	Industrious, Careful, Assiduous, Tireless, Attentive, Indefatigable
4.	Insolent	Showing a rude and arrogant lack of respect (बदतमीज)	Impudent, Rude, Impertinent, Disrespectful, Brazen, Bold
5.	Sordid	Involving immoral or dishonourable actions and motives / Arousing moral distaste and contempt (घिनौना)	Unpleasant, Low, Mean, Dirty Foul, Squalid, Base, filthy
6.	Transient	Lasting only for a short time / Impermanent (अस्थायी)	Transitory , Temporary, Ephermal, Passing, Brief, Momentary
7.	Abandon	Cease to support or look after (someone) / desert (छोड़ देना)	Forsake, Leave, Quit, Desert, Relinquish, Renounce, Surrender
8.	Accede	Agree to a demand request or treaty (मान लेना)	Consent, Join, Agree, Adhere, Assent, Accept
9.	Adversity	A difficult or unpleasant situation (विपत्ति)	Misery, Misfortune, Hardship, Distress, Affliction, Disaster
10.	Affluent	Having a great deal of money / wealthy (धनी)	Prosperous, Wealthy, Rich, Moneyed, Opulent, Loaded
11.	Candid	Truthful and straightforward (निष्कपट)	Frank, Honest, Open, Direct, Outspoken, Sincere
12.	Cantan - kerous	Bad tempered argumentative and uncooperative (झगड़ालू)	Quarrelsome, Bellicose, Crabby, Cranky, Crotchery, Testy
13.	Coarse	Rough or Harsh in texture (खुर्दरा)	Rough, Rude, Crude, Gross, Vulgar, Unrefined, Uncouth

14.	Condemn	Express complete disapproval of / Censure (निंदा करना)	Criticize, Castigate, Censure Chide, Punish, Sentence
15.	Convict	Person found guilty (दोषी ठहराना)	Culprit, Captive, Felon, Prisoner, Repeater
16.	Defer	put off (an action or event) to a later time (टालना)	Postpone, Delay, Put off, Suspend, Shelve, Adjourn
17.	Deliberate	Done consciously and intentionally (जानबूझ के किया हुआ)	Intentional, Ponder, Consider, Premeditated, Reflect
18.	Eminent	Famous and respected within a particular sphere (of a person) (प्रख्यात)	Renowned, Famous, Prominent, Distinguished, Superior, Illustrious, Celebrated, Notable
19.	Enigmatic	Puzzling (रहस्यपूर्ण)	Puzzling, Mysterious, Cryptic, Obscure, Perplexing, Baffling

20.	Eternal	Lasting or existing forever / Without end (सार्वकालिक)	Ageless, Abiding, Continual, Enduring, Everlasting, Indestructible, Timeless
21.	Feign	Pretend to be affected by (a feeling, state, or injury) (बहाना करना)	Pretend, Fake, Simulate, Dissemble, Sham, Counterfeit
22.	Hoodwink	Deceive or trick (छलना)	Deceive, Trick, Fool, Cheat, Mislead, Bamboozle
23.	Hurdle	A problem or difficulty that must be overcome (बाधा)	Barrier, Hindrance, Obstruction, Impediment, Vault
24.	Impeccable	In accordance with the highest standards (त्रुटिहीन / अवगुणरहीत)	Faultless, Perfect, Flawless, Spotless, Immaculate, Blameless
25.	Intrepid	Fearless / Adventurous (निडर)	Gallant, Courageous, Fearless, Heroic, Plucky Spunky
26.	Jubilant	Feeling or expressing great happiness and triumph (प्रफुल्लित)	Rejoicing, Joyful, Happy, Elected, Exultant, Pleased, Glad
27.	Lethal	Sufficient to cause death (जानलेवा)	Fatal, Deadly, Mortal, Malignant, Toxic, Poisonous
28.	Meticulous	Showing great attention to detail / Very careful and precise (अतिसावधान)	Careful, Scrupulous, Particular, Punctilious, Precise, Accurate, Fastidious
29.	Nefarious	Wicked or criminal (बदमाश)	Wicked, Villainous, Atrocious, Vile, Evil,

Exercise

Q1. Select the most appropriate synonym of the given word.
EFFICACIOUS
1. Voracious 2. Effective
3. Audacious 4. Impotent
Solution : 2
Efficacious- effective
Voracious- having a great appetite for anything
Audacious – bold, daring, impudent
Impotent- sterile

Q2. Select the most appropriate synonym of the given word.
CONTAMINATE
1. sanctify 2. cleanse
3. purify 4. pollute
Solution : 4
Contaminate – to pollute
Sanctify – to make holy,to purify

Q3. Select the most appropriate synonym of the given word.
SUBSEQUENT
1. consecutive 2. preceding
3. antecedent 4. prior
Solution : 1
Antecedent/Preceding – occurring before

Q4. Select the most appropriate synonym of the given word.
ADEQUATE
1. Meagre 2. sufficient
3. inept 4. unfit
Solution : 2
Adequate- sufficient
Inept – unsuitable, unfit

Q5. Select the most appropriate synonym of the given word.
TRANQUIL
1. nervous 2. agitated
3. calm 4. wild
Solution : 3
Tranquil – calm,free from emotional or mental disturbance.

Q6. Select the most appropriate synonym of the given word.
FASCINATING
1. appealing 2. boring
3. stupid 4. tiring
Solution : 1
Fascinating- Captivating, Appealing, attractive

Q7. Select the most appropriate synonym of the given word.
CONDEMN
1. commend 2. denounce
3. compliment 4. approve
Solution: 2
Condemn – to strongly criticise or denounce

Q8. Select the most appropriate synonym of the given word.
ENGULF
1. uncover 2. dry
3. inundate 4. neglect
Solution : 3
Engulf- to surround, to cover, to inundate

Q9. Select the most appropriate synonym of the given word.
BLITHE
1. Cheerful 2. Sorrow
3. Aggressive 4. Annoy

Q10. Select the most appropriate synonym of the given word.
BIZARRE
1. Colourful
2. Exotic
3. Comical
4. Strange

Q11. Select the most appropriate synonym of the given word.
VOGUE
1. Cruelty
2. Donation
3. Fashion
4. Interfere

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न, 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न, 150 में से)

UP Police Constable 2024 - http://surl.li/rbfyn (98 प्रश्न, 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD – 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये
RAS Pre. 2023	01 अक्तूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)

whatsapp - https://wa.link/0yupe6 1 web.- https://shorturl.at/pwFNP

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE